भजनों का अनुक्रम

भजन	पृष्ठ
१. भोर भयो उठ जागो मनुवा	३
२. मेरे तो मुनि वीतराग	४
३. अब ही प्यारे चेत ले	५
४. या नगरी में क्युं कर रहना	६
५. साधो भाइ देखो नायक माया	७
६. प्यारे चेतन विचार ले	८
७. अवधू सुता क्यां इस मठ में	९
८. विनजारा खेप भरी भारी	१०
९. योगी तेरा सूना मन्दिर	११
१०. अवधू वह जोगी हम माने	१२
११. साधो नहिं मिलिया हम मीता	१३
१२. कुण जाणे साहेब का वासा	१४
१३. वालो माहरो क्यों भटके परवासा	१५
१४. दूर रहो तम दूर रहो तम दूर रहो	१७
१५. राम राम सब जगही माने	१८
१६. मन्दिर एक वनाया हमने	१९
१७. इतना काम करे जे जोगी	२०

१८. वा दिनकुं नहि जाना अब तक २१
१९. ऐसो योग रमावो साधो २२
२०. मैं कैसे रहुं सखी २३
२१. मेरे पिया की निशानी २४
२२. क्यों कर महिल बनावे २५
२३. क्या मगरूरी बतावे पियारे २६
२४. कोई योगी हमकुं जाने री २७
२५. बडि दगाबाज रे तूं २८
२६. प्यारे साहेब सुं चित्त लावो २९
२७. देखो पिया आगम जहवेरी आयो ३०
२८. ज्ञान की दृष्टि निहालो वालम ३१
२९. अनुभव ज्ञान संभारो ३२
३०. जगगुरु निरपख को न दिखाय ३३
३१. सजन सलूने लाल ३४
३२. प्यारे काहेकुं ललचाय ३५
३३. थिर नांहि रे थिर नांहि ३६
३४. मन न काहु के वश ३७
३५. किसके चेले किसके पूत ३८
३६. जोगी एसा होय फरुं ३९
३७. तोलों बेर बेर फिर आवेंगे ४०
३८. अब क्युं न होत उदासी ४१
३९. वावा हम विचार कर लागे ४२
४०. परम पुरुष तुं हि ४३
४१. माया माहा ठगणी में जानी ४४
४२. चेतन ज्ञान की दृष्टि निहालो ४५

४३. परम गुरु जैन क्यों होवे	४६
४४. परम प्रभु सब जन शब्दें ध्यावे	४८
४५. चेतन जो तुं ज्ञान अभ्यासी	४९
४६. जिऊ लाग रह्यो परभाव में	५१
४७. देखो माइ अजब रूप जिनजी को	५२
४८. जब लग आवे नहिं मन ठाम	५३
४९. चेतन अब मोहि दर्शन दीजे	५४
५०. चिदानन्द अविनासी हो	५५
५१. में कीनो नहीं तो बिन	५६
५२. सज्जन राखत रीति भलि	५७
५३. आज आनंद भयो	५८
५४. वाद बादीसर ताजे	५९
५५. जो जो देखे वीतराग	६०
५६. भजन बिनु जीवित जैसे प्रेत	६१
५७. ए परम ब्रह्म परमेश्वर	६२
५८. माया कारमी रे	६३
५९. कब घर चेतन आवेंगे मेरे	६५
६०. धार तरवारनी सोहिली	६६
६१. कुंथु जिन ! मनडुं किमही न बाझे	६८
६२. अब हम अमर भये न मरेंगे	७०
६३. राम कहो रहमान कहो	७१
६४. शहेर बडा संसारका	७२
६५. परमेसर शुं प्रीतडी रे	७३
६६. सुणि पंजर के पंखियां रे	७४
६७. शीतल शीतलनाथ सेवो	७५

६८. सुविधि जिनेसर साहिबा रे ७६
६९. आळस अंगथी परिहरो ७७
७०. शाणा श्रावक थइने डोले ७९
७१. कफनीए केर मचाव्यो राज ८०
७२. जैसे राखहु वैसेहि रहौं ८२
७३. प्रभु मोरे अवगुण चित्त न धरो ८३
७४. रे मन! मूरख जनम गँवायो ८४
७५. तुम मेरी राखो लाज हरी ८५
७६. समझ देख मन मीत पियारे ८६
७७. गुरु विन कौन बतावे वाट ८७
७८. इस तन धन की कौन वडाई ८८
७९. शूर संग्राम को देख भागे नहीं ८९
८०. निंदक बावा वीर हमारा ९०
८१. प्रभुजी तुम चंदन हम पानी ९१
८२. संत परम हितकारी जगमांही ९२
८३. ज्यां लगी आतमा तत्त्व चीन्यो नहि ९३
८४. वैष्णव नथी थयो तुं रे ९५
८५. हरिनो मारग छे शूरानो ९६
८६. त्याग न टके वैराग विना ९७
८७. जंगल वसाव्युं रे जोगीए ९८
८८. धीर धुरंधरा शूर साचा खरा ९९
८९. टेक न मेले रे ते मरद १००
९०. भक्ति शूरवीरनी साची रे १०१
९१. जीभलडी रे तने हरि गुण गातां १०२
९२. भगवत भजजो राम नाम रणुंकार १०३

९३. दिलमां दीवो करो रे १०४
९४. अपूर्व अवसर १०५
९५. प्रेमळ ज्योति तारो १०९
९६. मंगल मंदिर खोलो १११
९७. वाह वाह रे मौज फकीरांदी ११२
९८. काहे रे वन खोजन जाई ११३
९९. जो नर दुःख में दुःख नहीं मानै ११४
१००. धर्मपथ ढूंढा नहीं ११५
१०१. भक्ति भगवत में नहीं ११६
शब्दों की व्युत्पत्तियां और समजूती ११७—२१९
शब्दों की व्युत्पत्तियां और समजूती में आए हूए शब्दों की सूचि २२०—२२४